अमर उजाला
बरेली
सोमवार, 30 अक्तूबर 2017
amarujala.com

देर से शादी करने वाले युवा संभालें अपना 'दिल'

अमर उजाला ब्यूरो

बरेली।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में ब्लड प्रेशर और शुगर के शिकार सबसे ज्यादा युवा ही हो रहे हैं। ऐसे में इनको दिल से जुड़ी बीमारियां भी अधिक होती हैं।

करियर को देखते हुए युवा अगर शादी देर से करते हैं तो गर्भधारण और प्रसव में भी समस्याएं कम नहीं है। ऐसे में देर से शादी करने वाले युवाओं को अपने दिल के प्रति सावधान रहने की जरूरत है। रविवार को एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में यूपी एपीकॉन मेडिसिन अपडेट के समापन पर हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. एके चौहान ने यह जानकारी दी। उन्होंने इससे बचाव के तरीके भी बताएं। गर्भावस्था में हृदय संबंधी मामलों को लेकर डॉ. चौहान ने बताया कि जो लोग 30 से 35 साल की उम्र में शादी करते हैं, उनको अमूमन दो साल में बच्चा चाहिए होता है।

इसी उम्र में दिल से जुड़ी समस्याएं होना शुरू हो जाती हैं जो ध्यान न देने पर प्रसव के दौरान खतरनाक साबित होती हैं। देर में शादी करने वाले युवाओं को गर्भावस्था के दौरान अपने बीपी और शुगर की जांच कराते रहनी चाहिए। डॉ. चौहान ने हृदय रोगी गर्भवती महिलाओं को सुझाव दिया कि वे डॉक्टर के पास जाने से न कतराएं। डॉक्टर की सलाह का पालन करें। उन्होंने बताया कि डॉक्टर की सलाह पर नार्मल डिलीवरी भी संभव है।

एसआरएमएस मेडिकल इंस्टीट्यूट में मेडिसिन अपडेट का समापन

डायबिटीज में गर्भवती लें इंसुलिन, जच्चा-बच्चा के लिए फायदेमंद: एलएलआरएम मेरठ की डॉ. आभा गुप्ता ने डायबिटीज से पीड़ित गर्भवती महिलाओं को सलाह दी कि वें इस दौरान इंसुलिन लें तो ज्यादा अच्छा है। यह जच्चा और बच्चा के लिए फायदेमंद साबित होगा। डायबिटिक गर्भवती महिलाओं को इंसुलिन दिया जाना सबसे अच्छा ट्रीटमेंट माना जाता है। ओरल दवाओं से इंसुलिन बेस्ट है।

इन्होंने भी दी जानकारी

केजीएमयू के डॉ. अनुपम वार्ष्णेय ने गठिया रोग, बीएचयू के डॉ. विनोद दीक्षित ने गर्भावस्था में पीलिया के इलाज पर जानकारी दी। डॉ. शरद जौहरी ने सिर दर्द का इलाज बताया। नोएडा से आए डॉ. कपिल सिंघल ने स्ट्रोक के मरीजों को चार घंटे में इलाज देना जरूरी बताया। केजीएमयू के डॉ. डी हिमांशु ने एंटीबायोटिक प्रयोग और एएमयू के डॉ. शोयब जहीर ने बुखार से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा की। एसआरएमएस के डॉ. एमपी रावल ने हार्ट अटैक से निजात पाने की जानकारी साझा की। आयोजन सचिव डॉ. स्मिता गुप्ता ने गर्भवती महिलाओं को सही खानपान और इलाज की जरूरत बताई। पीजी छात्रों ने पेपर प्रस्तुत किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, सचिव आदित्य मूर्ति, प्राचार्य डॉ. आरसी पुरोहित, एमएस डॉ. एसके हांडा व अन्य का सहयोग रहा।